योजना संहिता 2023 की मुख्य विशेषताओं के बारे में बताया।

डॉ. कै रविचंद्रन ने बताया कि आईआईएफएम द्वारा विकसित भारतीय वन प्रबंधन मानक को नई कार्य योजना संहिता में शामिल किया गया है। इन मानकों का उपयोग करके कार्य योजना की शुरुआत के 5 वर्षों के बाद मध्यावधि में समीक्षा की जाएगी। डॉ. रविचंद्रन ने कहा कि आगे बढ़ते हुए भारत अपनी स्वयं की प्रमाणन योजना, यानी भारतीय वन व लकड़ी प्रमाणन योजना (आईएफडब्ल्यूसीएस) लेकर आया है। यह योजना सरकारी स्वामित्व वाली वन भूमि व किसानों की भूमि पर पौधरोपण के लिए भी लागू होगी।

नाटक की कहानी

नाटक ' वृत्ति नाशक' एक जातक कथा है। इसमें बुद्ध के जन्म से पहले के कई जन्मों में से एक जन्म की कहानी दिखाई गई है। नाटक की कहानी जंगल से शुरू होती है, जहां राजा और उनके साथी प्रजा की सेवा के लिए रोज खाना और जरूरत की सामग्री साथियों से भिजवाते हैं। लेकिन, जंगल में मौजूद शिकारी रास्ते में सबकुछ खा जाते और हमला करते थे। शिकारी ने एक दिन राजा को भी मार दिया। इसे देख बंदरों की सेना निराश हो जाती है। इस घटना के बाद भगवान बुद्ध स्वयं आते हैं और कहते हैं शिकारी का कर्म उसके चरम पर है, चरम का अंत जरूर होता है। जब शिकारी घर पहुंचता है तो देखता है उसके घर में आग लगी है और बीवी मर जाती है जिस बचाने की कोशिश में वो भी मर जाता है।

वैशाली गुप्ता ने बताया कि 1 घंटे के इस नाटक को 20 दिन में तैयार किया गया है। इस नाटक की खास बात यह कि इसमें हर उम्र के किरदार हैं। इस नाटक में 20 कलाकार मंच पर मौजूद रहे। ओपन थिएटर में मंचित इस नाटक का सेट जंगल की तरह तैयार किया गया और कॉस्ट्यूम भी वन्य प्राणियों की तरह बनाया गया।

डिस्प्ले करने का मौका दिया जाएगा।

डिजाइन उत्सव में शहर के लोगों और आर्ट लवर्स को आर्ट और क्रिएटिव एक्सपीरियंस देने के लिए आत्मकथा स्क्वाड-कार्टूनपुर, पेपर मैशे, नटेड एलिगेंस (मैक्रेमे), साउंड डिजाइन; सेरेमिक क्राफ्टिंग, टाई और डाई, पाम वीविंग, ब्लॉक प्रिंट और एनालॉजी विथ मॉडल मेकिंग वर्कशॉप्स का आयोजन भी किया जाएगा। एनआईडी में डिजाइन उत्सव के तहत पहली बार डिजाइन टॉक का आयोजन भी होगा। इस टॉक शो में प्रसिद्ध कलाकारों डॉ. सुष्मा श्रीवास्तव और विनय की अद्भुत पेंटिंग की एग्जीबिशन भी लगेगी।

सिटी रिपोर्टर . भोपाल

'भंवर-एक प्रेम कहानी' मानव जीवन के सम्पूर्ण प्रेम कहानियों का एक संग्रह है। यह कहना है रिटायर्ड आईपीएस ऑफिसर और लेखक अनिल रतूड़ी का। बुधवार को हिंदी भवन में डीजीपी पद से रिटायर्ड ऑफिसर रतूड़ी की पुस्तक 'भंवर' का लोकार्पण किया गया। सिटी भास्कर से खास बातचीत में उन्होंने बताया कि इस किताब में अभय नौटियाल नाम के एक लड़के की कहानी है, जो काल्पनिक है। यह पुस्तक एक प्रेम कहानी है, जिसमें लेखक ने मानवता के सभी प्रेम को बताया है, चाहे वो माता-पिता का प्रेम हो, भाई-बहन का या पत्नी का प्रेम, तमाम

रीजनल राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस में न्यूट्रिशनल टॉक के लिए मिलीं 40 से ज्यादा कॉर्पोरेट कंपनियां

पोषण के लिए मिलकर बनाना होगा न्यूट्रिशनल इको सिस्टम : मार्गरिट

इम्पैक्ट-4 न्यूट्रिशन

सिटी रिपोर्टर . भोपाल

मध्य प्रदेश में न्यूट्रिशन ईको सिस्टम को मजबूत करने के लिए इम्पैक्ट-4 न्यूट्रिशन के एमपी सेक्रेटेरिएट जागरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी ने राइज इंफिनिटी फाउंडेशन के साथ मिलकर भोपाल में एक रीजनल राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया। पोषण को बढ़ावा देने के लिए इस राउंडटेबल मीट में 40 से ज्यादा कॉर्पोरेट कंपनियों के रिप्रेजेंटेटिव्स ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत यूनिसेफ के कम्यूनिकेशन ऑफिसर अनिल गुलाटी ने सभी का एक प्लेटफॉर्म पर मिलने के लिए स्वागत

किया। यूनिसेफ मप्र की चीफ मार्गरिट ग्वाडा ने कहा- इम्पैक्ट-4 न्यूट्रिशन के प्लेज पार्टनर पोषण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। सभी को मिलकर न्यूट्रिशनल इको सिस्टम बनाना होगा। इम्पैक्ट-4 न्यूट्रिशन नेशनल एडवाइजरी बोर्ड के सदस्य और जागरण लेकसिटी के प्रो-चांसलर अभिषेक मोहन गुप्ता ने कहा- इम्पैक्ट-4 न्यूट्रिशन प्लेज के तहत अब हम भोपाल के सभी डीपीएस स्कूलों के मेन्यू में बदलाव करेंगे। बच्चों तक पोषण आहार पहुंचे, इसके लिए अब हम पोहा, रागी का ढोकला, वेजिटेबल सेलेड्स, मिलेट्स का उपमा जैसी डिशेज कैंटीन मेन्यू में एड करेंगे।

कर्मचारियों का नियमित हेल्थ चैकअप

- महिला एवं बाल विकास विभाग के डिप्टी डायरेक्टर राम तिवारी ने कहा- सरकार हमेशा प्राइवेट सेक्टर के साथ मिलकर काम करती है। इसके लिए कई कंपनियों के साथ एमओयू भी साइन किया गया है।
- प्लेज पार्टनर नेटलिंक के वाइस प्रेजिडेंट अभिषेक वर्मा ने बताया- कर्मचारियों के लिए नियमित रूप से हेल्थ चैकअप के साथ-साथ कैंटीन के मेन्यू में भी कई बदलाव किए गए हैं, जिससे कर्मचारियों को पूरा पोषण मिल सके।
- परमाली वॉलेस के एमडी मिहिर मर्चेंट ने कहा - यहां आकर अन्य कॉर्पोरेट्स से प्रेरणा मिली है। हम भी जल्द ही अपने कर्मचारियों के लिए अवेयरनेस के साथ-साथ अन्य पोषण से संबंधित सुविधाएं शुरू करेंगे।

राउंडटेबल पर ये रहे मौजूद... बीएनआई के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर प्रदीप करमबेलकर, प्रो. दिवाकर शुक्ला, एमएमसी कंवर्ट इंदौर से शानू मेहता, ल्यूपिन फार्मा से अनिल वर्गीस, सीआईआई से विवेक पांडेय, रश्मि भार्गव, दृष्टि गुप्ता, राहुल पराशर, स्वप्निल विजयवर्गीय, अरुण मालवीय, पुनीत नागपाल, गीत नागपाल मौजूद रहे।

मप्र लेखक संघ का

हिंदी को बचा
पहल हमें ही क

सिटी रिपोर्टर | 'अगर हिंदी
बचाना और बढ़ाना है तो पहल हमें
करनी होगी। इसी विचार से इस ब
विश्वरंग को विश्व भाषा बनाने
अलावा राष्ट्र भाषा का दर्जा दिला
के लिए महत्वपूर्ण प्रयासों का माध्य
बनाया जाएगा। 'यह बात विश्व
के निदेशक संतोष चौबे ने क
वे मध्य प्रदेश लेखक संघ की उ
से विश्वरंग के पूर्वरंग 'गजल रं
कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर
शामिल हुए। उन्होंने कहा- विश्वभ
से लोग हमारे इस अभियान से जु
रहे हैं। स्थानीय संस्थाएं भी इस
शामिल हैं। इनमें लेखक संघ प्रमु
हैं। इसका हमें प्रारंभ से ही साथ मिल